<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 953

17 दिसंबर, 2018 को उत्तर के लिए

विदेशी इस्पात कंपनियां

953. श्री राघव लखनपालः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) किन विदेशी कंपनियों ने भारतीय इस्पात कंपनियों में रुचि दिखाई है;

(ख) क्या सरकार को एस्सार स्टील और आर्सेलर मित्तल के बीच हुई डील की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या विदेशी इस्पात कंपनियों के प्रवेश से घरेलू इस्पात बाजार में सकारात्मक बदलाव आने की संभावना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क) और (ख): इस्पात एक नियंत्रण मुक्त क्षेत्र होने के नाते क्षेत्र में निवेश से संबंधित निर्णय वाणिज्यिक सोच-विचार और बाजार गतिशीलता सहित विभिन्न कारकों पर आधारित है तथा इसमें सरकार की भूमिका केवल एक सुविधाप्रदाता के रूप में होती है। भारत में, एक संयुक्त उद्यम (जेवी) के तहत एक ऑटोमेटिव इस्पात विनिर्माण सुविधा की स्थापना की संभावनाएं तलाशने के लिए सेल और आर्सेलर मित्तल ने दिनांक 22 मई 2015 को एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया था। साऊथ कोरिया से पोस्को (पीओएससीओ) और हुंडई ने आरआईएनएल के साथ संयुक्त उद्यम के तहत विशाखापट्टनम में एक इस्पात संयंत्र स्थापित करने में रूचि दिखाई है।

(ग) और (घ): जी हाँ। इससे इस्पात क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और पूँजी आएगी।

*****